की गयी थी लेकिन पैसे की कमी और जरूरी कामों के लिये इस्पात और सीमेंट को बचाये रखने की जरूरत को देखते हुए, रेलवे उपभोक्ता सुविधा समिति (Railway User's Amenities Committee) ने इस काम की मंजूरी नहीं दी । अब यह फैसला किया गया है कि स्टेशन की इमारत के सामने प्लेटफार्म पर १३० फीट लम्बी छत डाली जाये ।

इस काम के लिये २५,५६० रुपये की अनुमानित लागत की मंजूरी दी गयी है ।

ग्वालियर रेलवे स्टेशन

१२१७. **श्री वाजपेयी** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य रेलवे के ग्वालियर रेलवे स्टेशन के पुनर्निर्माण पर कितना व्यय होने का अनुमान है ;

(ख) क्या सरकार के सम्मुख ग्वालियर स्टेशन पर बड़ी लाइन तथा छोटी लाइन के दोनों स्टेशनों का एकीकरण करने का सुझाव है ; और

(ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में क्या निश्चय किया गया है ?

रेलवे उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) से (ग). माननीय सदस्य का मतलब शायद ग्वालियर यार्ड की पुनर्निमाण योजना (scheme for remodelling) से है, जिसे २०,८०,००० रुपये की लागत पर १९५७-५८ के निर्माण-कार्यक्रम (Works Programme) में शामिल किया गया है । ग्वालियर में मीटर लाइन का कोई स्टेशन नहीं है । वहां बड़ी लाइन के अलावा, ३ फर्लांग की दूरी पर एक छोटी लाइन का स्टेशन है । यार्ड के ढांचे को बदलने का एक कारण यह भी है कि बड़ी और छोटी लाइनों का एक ही स्टेशन हो जाय, ताकि रेल के इस्तेमाल करने वालों को सुविधा हो और परिचालन की जरूरत पूरी हो सके । इस पुनर्निर्माण योजना में खासकर नीचे लिखे काम शामिल हैं :

१. मौजूदा माल गोदाम के प्लेटफार्म की जगह डाउन यात्री प्लेटफार्म बनाना ।

२. ६ छंटाई लाइन (Sorting Lines) एक शंटिंग नेक और गड्डी लेने और छोड़ने के लिये ३ लाइनों की व्यवस्था ।

३. नयी जगह पर माल गोदाम बनाना, क्योंकि मौजूदा माल गोदाम के प्लेटफार्म की जगह यात्री प्लेटफार्म बनाया जा रहा है ।

४. बड़ी लाइन के पास छोटी लाइन के यात्रियों के लिये सुविधा के काम ।

Passenger Amenities

1218. Shri Vajpayee: Will the Minister of **Railways** be pleased to state the passenger amenities provided during the First Five Year Plan at the stations on the following lines:

(i) the Lucknow-Gonda-Gorakhpur line of North Eastern Railway; and

(ii) the Gonda-Balrampur-Gorakhpur Branch line of North-Eastern Railway?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan): A statement is laid on the Table of the Lok Sabha. [*See* Appendix III, annexure No. 86]

Passenger Amenities

1219. Shri Vajpayee: Will the Minister of **Railways** be pleased to state the passenger amenities provided during the First Five Year Plan at the stations on the following lines:

(i) the Gwalior-Bhind;

(ii) Gwalior-Shivpuri; and

(iii) Gwalior-Sheopur Kalan Branch lines (narrow gauge of Western Railway?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan): A statement is laid on the Table of the Lok Sabha. [*See* Appendix III, annexure No. 87].

Central Godowns in Andhra Pradesh

1220. Shri M. V. Krishna Rao: Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state the stock position of foodgrains in the Central Godowns in Andhra Pradesh in the month of October, 1957?

The Deputy Minister of Agriculture (Shri M. V. Krishnappa): The following were the stocks of foodgrains towards the end of October, 1957:—

1. Visakhapatnam	..	7,617
2. Hyderabad	..	54,787
3. Kakinada	..	2,700

Anti-Corruption Organisation

1221. Shri M. V. Krishna Rao: Will the Minister of **Railways** be pleased to state the work done during 1956-57 by the anti-corruption organisation of the Southern Railway?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan): During the year 1956-57, 130 cases of corruption and allied irregularities were discovered, 69 employees have been punished during the year 1956-57. The details of punishments inflicted are as shown below:—

Dismissal	..	1
Removal	..	5
Reduction	..	6
Withholding of increments	..	22
Other punishments	..	25

National Agricultural Credit Fund

1222. Shri Panigrahi: Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) the amount of money sanctioned to the Government of Orissa from the National Agricultural Credit (long term operations) Fund for contribution to share capital of co-operative credit institutions;

(b) the amount of money advanced to the State Co-operative Bank of Orissa from the above Fund as medium-term loans; and

(c) the amount of money that has been drawn by the Government of Orissa and the State Co-operative Bank till October, 1957, from the amounts sanctioned by the Centre?

The Deputy Minister of Agriculture (Shri M. V. Krishnappa): (a) Rs. 46.65 lakhs.

(b) Rs. 19·67 lakhs.

(c) In 1956-57, an amount of Rs. 6·28 lakhs by way of loan and Rs. 2·94 lakhs by way of subsidy was sanctioned to the State Government out of which the entire amount of loan and Rs. 2·93 lakhs from the amount of subsidy sanctioned were drawn by the State Government.

During the current year the Central Government have conveyed an allocation to the Government of Orissa of Rs. 13·90 lakhs, comprising Rs. 9·15 lakhs as loan and Rs. 4·75 lakhs as subsidy but not amount has yet been drawn by the State Government.

The Central Government do not sanction financial assistance direct to State Co-operative Banks.

वनस्पति

१२२३. **श्रीमती गंगा देवी :** क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वनस्पति घी के निर्माण के लिये कितने प्रतिशत बिनौले के तेल का प्रयोग किया जाता है ; और

(ख) १९५५ की तुलना में १९५६ में इसमें कितनी प्रतिशत वृद्धि हुई है ?

कृषि उपमंत्री (श्री एम० वी० कृष्णप्पा) : (क) १९५५ में ७.४ प्रतिशत और १९५६ में १९.३ प्रतिशत ।

(ख) ११.९ प्रतिशत ।